प्रतिवेदन

मध्यप्रदेश उच्च शिक्षा गुणवत्ता उन्नयन परियोजना (स्टेट प्रोजेक्ट डायरेक्टरेट, राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान (रूसा), उच्च शिक्षा विभाग, मध्यप्रदेश के पत्र क्र/1903/ वि.बै. परि./ 2022 भोपाल, दिनांक 14/07/2022 के अनुसार) शासकीय तुलसी महाविद्यालय अनूपपुर के गणित विभाग द्वारा दिनांक **21 एवं 22 नवंबर 2022** को **"शोध पद्धति"** विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया ।

प्रथम दिवस मुख्य वक्ता प्रोफेसर रविंद्र नाथ तिवारी भूगर्भ शास्त्र, शासकीय आदर्श विज्ञान महाविद्यालय रीवा तथा द्वितीय वक्ता डॉ नेतराम कौरव, विभागाध्यक्ष इलेक्ट्रॉनिक्स शासकीय होलकर विज्ञान महाविद्यालय इंदौर रहे | द्वितीय दिवस के मुख्य वक्ता डॉ दिलीप सिंह तथा विशिष्ट वक्ता प्रोफ़ेसर परमानंद तिवारी रहे| कार्यक्रम की अध्यक्षता दोनों दिन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. जे. के. संत ने की तथा कार्यशाला की संयोजक डॉ. गीतेश्वरी पाण्डेय, सहायक प्राध्यापक, गणित, शासकीय तुलसी महाविद्यालय अनूपपुर रही व कार्यक्रम का संचालन डॉ. गीतेश्वरी पाण्डेय ने किया ।

कार्यक्रम का शुभारंभ पूर्वान्ह 11:00 बजे मां सरस्वती के प्रतिमा के सम्मुख दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण कर किया गया, तदुपरांत सभी अतिथियों का शॉल, श्रीफल, बुके देकर तथा बैच लगाकर स्वागत किया गया। सरस्वती वंदना व स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया । इसके बाद प्राचार्य डॉ. जे. के. संत द्वारा अतिथियों के स्वागत के लिए स्वागत भाषण दिया गया।

GPS Map Camera
Anuppur, Madhya Pradesh, India
3Q4R+48Q, Anuppur, Madhya Pradesh 484224, India
Lat 23.055522°
Long 81.790757°
21/11/22 11:39 AM GMT +05:30
Google

प्रोफेसर रविंद्र नाथ तिवारी ने अपने प्रथम व्याख्यान में अनुसंधान को परिभाषित करते हुए बताया कि किसी भी क्षेत्र में ज्ञान की खोज करना अनुसंधान कहलाता है| अनुसंधान का दैनिक जीवन में क्या महत्व है, अनुसंधान क्यों करना चाहिए, कैसे करना चाहिए | प्रोफेसर के अनुसार प्रत्येक शोध का उपयोग दैनिक

जीवन में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से होना चाहिए अर्थात शोध का अनुप्रयोग अत्यंत महत्वपूर्ण है तथा उपस्थित सभी छात्रों व अध्यापकों को शोध करने हेतु प्रेरित किया |

प्रोफ़ेसर तिवारी ने अपने द्वितीय व्याख्यान में अनुसंधान प्रक्रिया को निम्न बिंदुओं के माध्यम से वर्णन किया - शोध समस्या का निर्माण, समस्या से संबंधित साहित्य का व्यापक सर्वेक्षण, परिकल्पना का निर्माण, शोध की रूपरेखा, आंकड़ों एवं तथ्यों का संकलन एवं विश्लेषण, प्रकल्पना की जांच,समान्विकरण एवं व्याख्या,

शोध प्रतिवेदन तैयार करना इत्यादि| तत्पश्चात प्रोफेसर तिवारी ने शोध के निम्न प्रकारों का विस्तृत वर्णन किया :- (1) मात्रात्मक अनुसंधान (2) गुणात्मक अनुसंधान (3) विवरणात्मक अनुसंधान (4) विश्लेषणात्मक अनुसंधान (5) अनुप्रयुक्त अनुसंधान (6) आधारभूत अनुसंधान (7) अवधारणात्मक अनुसंधान (8) ऐतिहासिक अनुसंधान (9) समीक्षात्मक विधि इत्यादि तथा अंत में शोध प्रारूप का वर्णन किया।

डॉ. नेतराम कौरव ने अपने प्रथम व्याख्यान में शोध से संबंधित बहुत महत्वपूर्ण बातों पर चर्चा की, हमारे छात्र छात्राओं को बताया कि किस तरह से हम इलेक्ट्रॉनिक चीजों का इस्तेमाल करके शोध कार्य को आसान बना सकते हैं| इसके साथ ही निम्नलिखित बिंदुओं पर चर्चा की;-

1. शोध क्या होता है |
2. शोध कार्य में लिटरेचर रिव्यू कैसे होता है |
3. लिटरेचर रिव्यू को किस प्रकार किया जाता है |
4. Research article ko search karna का तरीका |
5. रिसर्च आर्टिकल कौन कौन से वेबसाइट से सर्च किया जा सकता है |

डॉ. नेतराम कौरव ने अपने द्वितीय व्याख्यान मे शोध किस प्रकार होती है ,शोध पद्धति में लिटरेचर रिव्यू कैसे किया जाता है, लिटरेचर रिव्यू के विभिन्न वेबसाइट के बारे में जानकारी दी जैसे n-list गूगल स्कॉलर तथा अन्य विभिन्न प्लेटफार्म के माध्यम से लिटरेचर सर्वे किस प्रकार किया जाता है |

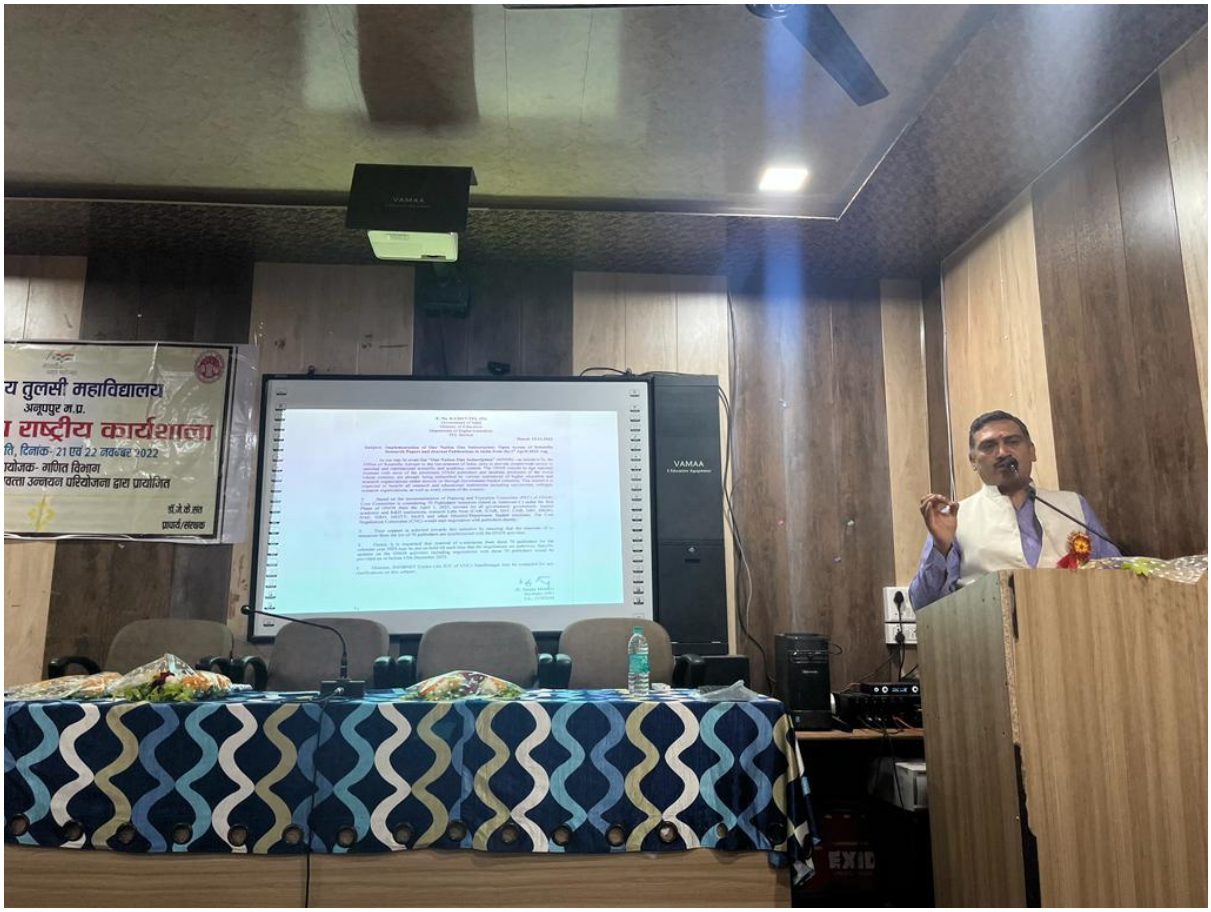

कार्यशाला के द्वितीय दिवस मुख्य वक्ता प्रोफ़ेसर दिलीप सिंह, पूर्व निदेशक, लुप्तप्राय भाषा केंद्र, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजाति विश्वविद्यालय, अमरकंटक रहे तथा विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर परमानंद तिवारी, पूर्व प्राचार्य शासकीय तुलसी महाविद्यालय अनूपपुर रहे | कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. जे. के. संत ने की तथा कार्यशाला की संयोजक डॉ. गीतेश्वरी पाण्डेय, सहायक प्राध्यापक, गणित, शासकीय तुलसी महाविद्यालय अनूपपुर रही व कार्यक्रम का संचालन डॉ. गीतेश्वरी पाण्डेय ने किया।

कार्यशाला के द्वितीय दिवस की शुरुआत प्रातः 11:30 बजे से मां सरस्वती के प्रतिमा के सम्मुख दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण कर हुआ तदुपरांत द्वितीय दिवस के मुख्य वक्ता प्रोफ़ेसर दिलीप सिंह सर का शॉल, श्रीफल, बुके देकर तथा बैच लगाकर स्वागत किया गया। विशिष्ट अतिथि प्रोफ़ेसर परमानंद तिवारी का शॉल, श्रीफल, बुके तथा बैच लगाकर स्वागत किया गया इसके बाद प्राचार्य डॉ. जे. के. संत द्वारा अध्यक्षीय उद्बोधन दिया गया तत्पश्चात द्वितीय दिवस का सेशन प्रारंभ हुआ ।

प्रोफ़ेसर दिलीप सिंह का प्रथम व्याख्यान शोध प्रविधि,आधार और शोधकार्य प्रयोजन विषय पर आधारित था जिसमें निम्नलिखित बिंदुओं पर विस्तारपूर्वक जानकारी साझा की गई :-

1शोधकार्य के क्षेत्र का चयन ,सामग्री संकलन,सामग्री का वर्गीकरण और विश्लेषण

2 शोध अनुसंधान, गवेषणा, अन्वेषण

3 शोध कार्य का स्वरूप

4 शोधकार्य का जमीन धरातल

5 परिकल्पना

प्रोफ़ेसर दिलीप सिंह ने द्वितीय व्याख्यान में निम्न बिन्दुओ पर चर्चा की :-

1 शोध कार्य में तथ्य से सत्य की कठिन शोधार्थी की यात्रा पर विस्तार से चर्चा

2 वैज्ञानिक शोध प्रविधि,उसके प्रकार,आधार, सामग्री संकलन और विश्लेषण विषय पर विस्तार पूर्वक चर्चा की गई |

प्रोफेसर परमानंद तिवारी ने अपने व्याख्यान में छात्र-छात्राओं व अतिथियों को बताया कि शोध किस प्रकार से किया जाए तथा शोध के विषय का चयन किस तरह से किया जाए शोध का क्षेत्र किस तरह चयनित किया जाए जिससे शोध करना आसान हो |

लंच के बाद कार्यशाला का समापन समारोह आयोजित किया गया जिसमें महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ जे के संत द्वारा अध्यक्षीय उद्बोधन प्रस्तुत किया गया जिसमें प्राचार्य महोदय ने कहा कि शोध पद्धति पर आयोजित यह कार्यशाला विद्यार्थियों, रिसर्च स्कॉलर, शैक्षणिक स्टाफ हम सभी के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण व उपयोगी है। इस कार्यशाला के बाद सभी विद्यार्थी एवं शोधार्थी अपना शोध कार्य वैज्ञानिक तरीके से पूर्ण कर सकेंगे। भविष्य में भी इस तरह की कार्यशाला आयोजित करने का प्राचार्य महोदय ने प्रतिबद्धता दिखाई एवं कार्यशाला की संयोजक डॉ गीतेश्वरी पाण्डेय को कार्यशाला के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं एवं बधाई दी।श्रीमती प्रीति वैश्य, सहायक प्राध्यापक, अर्थशास्त्र द्वारा आभार प्रकट किया गया। कार्यक्रम के अंत में समस्त प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किया गया। कार्यशाला में अलग-अलग महाविद्यालयों से आए प्रोफेसर, असिस्टेंट प्रोफेसर, शोधार्थी तथा छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

भूमिका भास्कर | Digital Edition
शुक्रवार, 25 नवंबर 2022

शोध पद्धति विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला

भूमिका संवाददाता, अनूपपुर

शासकीय तुलसी महाविद्यालय में 21 एवं 22 नवंबर 2022 को दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन शोध पद्धति विषय पर आयोजित किया गया ।यह कार्यशाला मध्य प्रदेश उच्च शिक्षा गुणवत्ता उन्नयन द्वारा प्रायोजित की गई है। प्रथम दिवस के मुख्य वक्ता प्रोफेसर रविंद्र नाथ तिवारी ,भूगर्भ शास्त्र विभाग शासकीय आदर्श विज्ञान महाविद्यालय रीवा तथा द्वितीय वक्ता डॉ नेतराम कौरव, विभागाध्यक्ष इलेक्ट्रॉनिक्स शासकीय होलकर विज्ञान महाविद्यालय इंदौर रहे ।कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. जे. के. संत ने की तथा कार्यक्रम का संचालन ,कार्यक्रम की संयोजक गीतेश्वरी पाण्डेय ने किया। प्रथम दिवस प्रो.रविंद्र नाथ तिवारी ने अपने प्रथम व्याख्यान में अनुसंधान को परिभाषित करते हुए बताया कि किसी भी क्षेत्र में ज्ञान की खोज करना अनुसंधान कहलाता है। अनुसंधान का दैनिक जीवन में क्या महत्व है जैसे विषयों पर विस्तृत चर्चा की । द्वितीय व्याख्यान में प्रोफेसर तिवारी ने अनुसंधान प्रक्रिया के विभिन्न बिंदुओं के माध्यम से सैद्धांतिक पक्षों क वर्णन किया नेतराम कौरव ने अपने प्रथम व्याख्यान में शोध से संबंधित महत्वपूर्ण बातों पर चर्चा की, इलेक्ट्रॉनिक प्लेटफॉर्म का शोध में कैसे यूज किया जाता है इसके बारे में विस्तार पूर्वक बताया। डॉ. कौरव ने अपने द्वितीय व्याख्यान में शोध पद्धति में लिटरेचर रिव्यू कैसे किया जाता है, लिटरेचर रिव्यू के विभिन्न वेबसाइट के बारे में जानकारी दी। ह-द्यद्बह्यह्ल, गूगल स्कॉलर तथा अन्य विभिन्न प्लेटफार्म के माध्यम से लिटरेचर सर्वे किस प्रकार किया जाता है आदि के बारे में विस्तार पूर्वक बताया ।कार्यशाला के द्वितीय दिवस पर मुख्य वक्ता प्रोफेसर दिलीप सिंह ,पूर्व निदेशक इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजाति विश्वविद्यालय अमरकंटक रहे उन्होंने अपने व्याख्यान में शोध प्रविधि आधार और शोध कार्य प्रयोजन विषय पर विस्तार पूर्वक चर्चा की । प्रो.दिलीप सिंह ने अपने द्वितीय व्याख्यान में शोध कार्य में तथ्य से सत्य की कठिन शोधार्थी की यात्रा पर विस्तार पूर्वक चर्चा की व शोध पद्धति के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। द्वितीय दिवस के कार्यशाला के विशिष्ट अतिथि प्रो. परमानंद तिवारी, पूर्व प्राचार्य शासकीय तुलसी महाविद्यालय अनूपपुर रहे उन्होंने छात्र-छात्राओं व प्रतिभागियों को बताया कि शोध किस प्रकार से किया जाए तथा शोध के विषय का चयन किस प्रकार से किया जाए इस पर विस्तार पूर्वक चर्चा की।

शोध पद्धति विषय पर आयोजित की गई दो दिवसीय कार्यशाला

गुड मॉर्निंग, अनूपपुर। शासकीय तुलसी महाविद्यालय में 21 एवं 22 नवंबर 2022 को दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन शोध पद्धति विषय पर आयोजित किया गया ।यह कार्यशाला मध्य प्रदेश उच्च शिक्षा गुणवत्ता उन्नयन द्वारा प्रायोजित की गई है। प्रथम दिवस के मुख्य वक्ता प्रोफेसर रविंद्र नाथ तिवारी ,भूगर्भ शास्त्र विभाग शासकीय आदर्श विज्ञान महाविद्यालय रीवा तथा द्वितीय वक्ता डॉ नेतराम कौरव, विभागाध्यक्ष इलेक्ट्रॉनिक्स शासकीय होलकर विज्ञान महाविद्यालय इंदौर रहे ।कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. जे. के. संत ने की तथा कार्यक्रम का संचालन ,कार्यक्रम की संयोजक गीतेश्वरी पाण्डेय ने किया। प्रथम दिवस प्रोफेसर रविंद नाथ तिवारी ने अपने प्रथम व्याख्यान में अनुसंधान को परिभाषित करते हुए बताया कि किसी भी क्षेत्र में ज्ञान की खोज करना अनुसंधान कहलाता है। अनुसंधान का दैनिक जीवन में क्या महत्व है जैसे विषयों पर विस्तृत चर्चा की ।द्वितीय व्याख्यान में प्रोफेसर तिवारी ने अनुसंधान प्रक्रिया के विभिन्न बिंदुओं के माध्यम से सैद्धांतिक पक्षों क वर्णन किया नेतराम कौरव ने अपने प्रथम व्याख्यान में शोध से संबंधित महत्वपूर्ण बातों पर चर्चा की, इलेक्ट्रॉनिक प्लेटफॉर्म का शोध में कैसे यूज किया जाता है इसके बारे में विस्तार पूर्वक बताया। डॉक्टर कौरव ने अपने द्वितीय व्याख्यान में शोध पद्धति में लिटरेचर रिव्यू कैसे किया जाता है, लिटरेचर रिव्यू के विभिन्न वेबसाइट के बारे में जानकारी दी। N-list, गूगल स्कॉलर तथा अन्य विभिन्न प्लेटफार्म के माध्यम से लिटरेचर सर्वे किस प्रकार किया जाता है आदि के बारे में विस्तार पूर्वक बताया ।कार्यशाला के द्वितीय दिवस पर मुख्य वक्ता प्रोफेसर दिलीप सिंह ,पूर्व निदेशक इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजाति विश्वविद्यालय अमरकंटक रहे उन्होंने अपने व्याख्यान में शोध प्रविधि आधार और शोध कार्य प्रयोजन विषय पर विस्तार पूर्वक चर्चा की।

प्रोफेसर दिलीप सिंह ने अपने द्वितीय व्याख्यान में शोध कार्य में तथ्य से सत्य की कठिन शोधार्थी की यात्रा पर विस्तार पूर्वक चर्चा की व शोध पद्धति के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। द्वितीय दिवस के कार्यशाला के विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर परमानंद तिवारी, पूर्व प्राचार्य शासकीय तुलसी महाविद्यालय अनूपपुर रहे उन्होंने छात्र-छात्राओं व प्रतिभागियों को बताया कि शोध किस प्रकार से किया जाए तथा शोध के विषय का चयन किस प्रकार से किया जाए इस पर विस्तार पूर्वक चर्चा की ।कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्राचार्य डॉ. जे. के. संत ने कहा कि अनुसंधान विषय पर इस प्रकार के कार्यक्रम अत्यंत महत्वपूर्ण और आवश्यक है इससे युवा छात्र-छात्राओं का शोध के प्रति रुझान बढ़ेगा तथा भविष्य में भी इस तरह की कार्यशाला का आयोजन किया जाना चाहिए ।कार्यशाला में विभिन्न जिलों व अनूपपुर के विभिन्न महाविद्यालयों से आए प्रतिभागी, महाविद्यालय के छात्र-छात्राएं तथा प्राध्यापक गण उपस्थित रहे।

शोध पद्धति विषय पर शासकीय तुलसी महाविद्यालय में दो दिवसीय कार्यशाला सम्पन्न

▶ अरविंद मिश्रा अनूपपुर

अनूपपुर। जिले के अग्रणी शासकीय तुलसी महाविद्यालय में शोध पद्धति विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन गणित विभाग द्वारा प्राचार्य डॉ. जे.के. सन्त की अध्यक्षता में 21 नवम्बर को प्रारम्भ हुआ। कार्यक्रम में प्रदेश के ख्यातिलब्ध विद्वान अपने व्याख्यान से प्रशिक्षणार्थियों को लाभान्वित कर रहे हैं। प्रथम दिवस के मुख्य वक्ता शासकीय आदर्श विज्ञान महाविद्यालय रीवा के भूगर्भ विज्ञान विषय के प्रोफेसर रवींद्र नाथ तिवारी ने शोध पद्धति के सैद्धांतिक पक्षों पर विचार प्रस्तुत किया। विशिष्ट वक्ता प्रो. नेतराम कौरव , प्राध्यापक इलेक्ट्रॉनिक्स , शासकीय होलकर विज्ञान महाविद्यालय इंदौर ने अनुसंधान के विभिन्न पक्षों पर प्रकाश डाला। द्वितीय दिवस भी विषय विशेषज्ञों द्वारा शोध पद्धति के संबंध में वक्तव्य प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्राचार्य डॉ जे के सन्त ने कहा कि अनुसंधान विषय पर इस प्रकार के कार्यक्रम अत्यंत महत्वपूर्ण और आवश्यक हैं। इससे युवा छात्रों का शोध के प्रति रुझान बढ़ेगा। कार्यशाला का संचालन संयोजक डॉ गीतेश?वरी पाण्डेय सहायक प्राध्यापक गणित द्वारा किया गया।

संक्षिप्त समाचार

जनसुनवाई में आए 31 आवेदनों की एसडीएम जैतहरी विजय डेहरिया ने की सुनवाई, दिए निर्देश

अनूपपुर. (नव स्वदेश)। आम आदमी की समस्याओं के निराकरण के लिए आयोजित की जाने वाली साप्ताहिक जनसुनवाई कार्यक्रम के तहत कलेक्ट्रेट सभागार में एसडीएम जैतहरी विजय डेहरिया के नेतृत्व में जनसुनवाई में आए लोगों की समस्याओं को सुना गया।जनसुनवाई कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के जिला प्रमुख अधिकारी उपस्थित थे।जनसुनवाई में जिले के विभिन्न स्थानों से अपनी समस्याएं लेकर आए 31 लोगों ने आवेदन-पत्र प्रस्तुत किए,आवेदनों को दर्ज कर संबंधित विभागों को आवेदनों के निराकृत करने हेतु प्रेषित किया गया है।

जनसुनवाई में तहसील अनूपपुर के ग्राम चिल्हारी निवासी रामनाथ कोल ने ग्राम पंचायत चिल्हारी में पुलिया निर्माण कार्य में किए गए मजदूरी कार्य का भुगतान किए जाने, ग्राम पंचायत ताराडांड के ग्राम करौंटोला निवासी मनोज साहू ने ताराडांड में निर्मित नहर का मरम्मत कार्य व नहर में आम जन के आवागमन हेतु रास्ते की सफाई कराने, ग्राम हिन्डालको बस्ती अमरकंटक वार्ड नं. 03 के दिव्यांग रामलाल पनिका ने बैटरी से चलने वाली मोटराइज्ड ट्राई साइकिल प्रदाय करने,तहसील अनूपपुर के ग्राम पिपरिया निवासी सूरज पटेल ने प्रधानमंत्री फसल बीमा दावा क्लेम राशि का भुगतान कराने के संबंध में आवेदन दिए।

शोध पद्धति विषय पर शासकीय तुलसी महावि.में दो दिवसीय कार्यशाला सम्पन्न

अनूपपुर. (नव स्वदेश)। जिले के अग्रणी शासकीय तुलसी महाविद्यालय में शोध पद्धति विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन गणित विभाग द्वारा प्राचार्य डॉ. जे.के.सन्त की अध्यक्षता में 21 नवम्बर को प्रारम्भ हुआ। कार्यक्रम में प्रदेश के ख्यातिलब्ध विद्वान अपने व्याख्यान से प्रशिक्षणार्थियों को लाभान्वित कर रहे हैं।प्रथम दिवस के मुख्य वक्ता शासकीय आदर्श विज्ञान महाविद्यालय रीवा के भूगर्भ विज्ञान विषय के प्रोफेसर रवींद्र नाथ तिवारी ने शोध पद्धति के सैद्धांतिक पक्षों पर विचार प्रस्तुत किया। विशिष्ट वक्ता प्रो.नेतराम कौरव,प्राध्यापक इलेक्ट्रॉनिक्स , शासकीय होलकर विज्ञान महाविद्यालय इंदौर ने अनुसंधान के विभिन्न पक्षों पर प्रकाश डाला। द्वितीय दिवस भी विषय विशेषज्ञों द्वारा शोध पद्धति के संबंध में वक्तव्य प्रस्तुत किए गए।कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्राचार्य डॉ. जे.के.सन्त ने कहा कि अनुसंधान विषय पर इस प्रकार के कार्यक्रम अत्यंत महत्वपूर्ण और आवश्यक हैं। इससे युवा छात्रों का शोध के प्रति रुझान बढ़ेगा। कार्यशाला का संचालन संयोजक डॉ.गीतेश्वरी पाण्डेय सहायक प्राध्यापक गणित द्वारा किया गया।

सांसद हिमाद्री सिंह के घर चोरी का पुलिस ने किया पर्दाफाश

आरोपी सहित 5.50 लाख के जेवर जप्त

■ अनूपपुर. (नव स्वदेश)।

शहडोल संसदीय क्षेत्र की सांसद हिमाद्री सिंह के पति नरेन्द्र मरावी जी के द्वारा 19/11/2022 को थाना राजेन्द्रग्राम में सूचना दी गयी कि उनके घर से सोने व चांदी के जेवरात किसी अज्ञात व्यक्ति के द्वारा चोरी कर लिया गया।सूचना को गंभीरता से लेते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनूपपुर अभिषेक राजन ने थाना प्रभारी राजेन्द्रग्राम के नेतृत्व में विशेष टीम गठित कर कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया।गठित विशेष टीम के द्वारा सायबर सेल के माध्यम से वैज्ञानिक पद्धति का सहारा लेते हुए कुछ संदेहियों से पूछताछ की गयी। प्रारंभिक पूछताछ के आधार पर ज्ञात हुआ कि सांसद के घर में रहने वाला रजत रंजन सिंह पिता रोहणी रजत सिंह उम्र 28 वर्ष निवासी मदनपुर थाना तेंदूखेड़ा जिला नरसिंहपुर म.प्र.जो विगत 3-4 माह पूर्व सांसद महोदया के घर से चला गया था वही असली आरोपी था।

विशेष टीम के द्वारा सायबर सेल की मदद से संदेही रजत रंजन सिंह पिता रोहणी रजत सिंह उम्र 28 वर्ष निवासी मदनपुर थाना तेंदूखेड़ा को हिरासत में ले कर पूछताछ प्रारंभ किया गया।

पूछताछ के दौरान आरोपी रजत रंजन सिंह पिता रोहणी रजत सिंह के द्वारा चोरी की घटना को स्वीकार कर लिया गया व पुलिस की विशेष टीम के द्वारा आरोपी के कब्जे से 02 सोने का हार, 02 सोने की चैन, 02 सोने की अंगूठी, एक टाईटन की घड़ी, 01 सोने का लाकेट, एवं कुछ चांदी के जेवर जिसकी कुल कीमत लगभग 5.50 जप्त किया गया।

सम्पूर्ण कार्यवाही में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनूपपुर अभिषेक राजन के निर्देशन में एसडीओपी पुष्पराजगढ़ सुश्री सोनाली गुप्ता के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी राजेन्द्रग्राम निरी.नरेन्द्र पाल, उनि. प्रवीण साहू, सउनि. दीपचन्द्र बर्मन, प्रआर. राजेन्द्र यादव, आर. राजेश कोवर एवं सायबर सेल प्रभारी आर. राजेन्द्र अहिरवार, पंकज मिश्रा, का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन लंका टोला मानपुर में

श्रद्धालुओं ने श्रवण कर अपने आपको भाग्यशाली माना

■ मानपुर. (नव स्वदेश)।

नगर के लंका टोला में अशोक ज्वेलर्स,अरविंद सोनी एवं माता श्रीमती अहिल्या सोनी के निज निवास में श्री मद् भागवत कथा का आयोजन कर भगवान गुरु नारायण की कृपा व पूर्वजों के आशिर्वाद से संगीत मय श्रीमद्भागवत ज्ञान यज्ञ का अमृत रूपी रसपान कर रहे है वहीं श्रीमद्भागवत कथा सुनने श्रद्धालुओं की भीड़ रहती है कथा दिनांक 21 दिन सोमवार को कलश यात्रा, गणेश आदि देवों का आवाहन, दिनांक 22 मंगलवार को भागवत महात्म्य, परीक्षित संवाद, दिनांक 23 बुधवार को वाराह अवतार, कपिलोपाख्यान, ध्रुव चरित्र, दिनांक 24 गुरुवार को जड़भरत, रहूगण संवाद, प्रहलाद चरित्र, दिनांक 25 शुक्रवार को वामन अवतार, श्रीराम चरित्र, श्री कृष्ण जन्मोत्सव, दिनांक 26 शनिवार को श्री कृष्ण बाल लीला, गोवर्धन पूजा, छप्पन भोग, दिनांक 27 रविवार को महा रासलीला, कृष्ण मथुरा गमन, रुक्मिणी विवाह, दिनांक 28 सोमवार को सुदामा चरित्र, शुकदेव विदाई, परीक्षित मोक्ष, चढ़ोत्री हवन, दिनांक 29 मंगलवार को तर्पण, पूर्णाहुति, वार्षिक श्राद्ध, ब्राह्मण भोजन एवं भण्डारा , संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ व्यास पीठ पर सुप्रसिद्ध भागवत कथा मर्मज्ञ परम पूज्य स्वामी श्री सियाराम शरण जी के मुखारविन्द से प्रवाहित होगी सभी श्रीमद्भागवत कथा के प्रेमी सपरिवार पहुँच कर अमृत रूपी श्रीमद्भागवत ज्ञान कथा का रसपान कर पुन्य लाभ लें।

प्रलेसं.के राज्य स्तरीय सम्मेलन की सफलता के लिए किया आभार व्यक्त

■ अनूपपुर. (नव स्वदेश)।

प्रगतिशील लेखक संघ के राज्य स्तरीय सम्मेलन की आयोजन समिति के महासचिव विजेंद्र सोनी एडवोकेट ने अनूपपुर में 19-20 नवंबर को आयोजित सम्मेलन की सफलता के लिए सभी साथियों का आभार व्यक्त किया है।

साथ ही उन्होंने सम्मेलन में प्रत्यक्ष,अप्रत्यक्ष सहयोग करने वाले सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा है कि प्रलेसं.के राज्य सम्मेलन की सफलता अकेले किसी व्यक्ति की सफलता नहीं है।हमारी पूरी टीम ने पूरे मनोयोग से अपने इकाई के अध्यक्ष गिरीश पटेल जी के नेतृत्व में काम किया है।उनके जैसा पैर्षवान व्यक्तित्व के कारण ही राज्य सम्मेलन में इकाई की पूरी टीम मनोयोग से काम में लगी रही।जिसका परिणाम सफलता की तरफ ले जाने में कामयाब रहा है।उन्होंने कहा कि कुछ प्रतिनिधियों को तकलीफें भी हुई है,उसके लिए पूरी आयोजन समिति क्षमा प्रार्थी है।

तापमान में लगातार गिरावट, विद्यालयों का बदले समय अलाव की करें व्यवस्था

■ अनूपपुर. (नव स्वदेश)।

जिले में तापमान में लगातार गिरावट के कारण सर्दी बढ़ती जा रही है।ठिठुरन भरी ठंड से सभी परेशान है। लेकिन शिक्षा विभाग द्वारा संचालित विद्यालय अभी भी सुबह संचालित हो रहे हैं जिसका समय बदला जाना अति आवश्यक है।हाल ही में कलेक्टर रीवा ने विद्यालयों का समय परिवर्तित किया है।अनूपपुर कलेक्टर से भी अपेक्षा है कि शिक्षा विभाग को निर्देशित करें कि जिले में सुबह की पाली में संचालित शासकीय,अशासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं की परेशानी को देखते हुए विद्यालयों के समय में परिवर्तन किया जाए।इसके साथ ही मुख्य नगरपालिका अधिकारी एवं नगर पालिका

अध्यक्ष से अपेक्षा है कि ठिठुरन भरी ठंड को देखते हुए पूर्व वर्षों की भांति सभी प्रमुख स्थानों पर अलाव की पर्याप्त व्यवस्था की जाए। जिससे आने जाने वाले राहगीर ,रिक्शा चालक, ऑटो चालक, वाहन चालक आदि को ठंड से राहत मिल सके।देखा जा रहा है कि दिन-प्रतिदिन तापमान में तेजी से गिरावट आ रही है और ठंड तेजी से बढ़ती जा रही है जिससे हर किसी को परेशानी हो रही है।इसके लिए अपेक्षा है कि पूर्व की भांति प्रमुख स्थलों पर अलाव की पर्याप्त व्यवस्था की जाए जिससे ठिठुरन भरी ठंड से लोगों को राहत मिल सके।

यूटीएस ऑन मोबाइल ऐप करें उपयोग

अनारक्षित, प्लेटफॉर्म टिकट,एमएसटी जारी व नवीनीकरण करें

■ अनूपपुर. (नव स्वदेश)।

रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों को टिकट काउण्टरों में लगने वाली कतारों से निजात दिलाने, शीघ्र टिकट उपलब्ध कराने तथा कैशलेस प्रणाली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से घर बैठे अनारक्षित टिकट बुकिंग,सीजन टिकट(एमएसटी) जारी व नवीनीकरण कराने हेतु यूटीएस मोबाइल ऐप की सुविधा प्रदान की गई है।यात्री अपने मोबाइल पर इस ऐप को डाउनलोड करके घर बैठे आसानी के साथ त्वरित अनारक्षित टिकट बुकिंग तथा सीजन टिकट(एमएसटी) जारी व नवीनीकरण कर सकते हैं।इस मोबाइल ऐप के माध्यम से प्लेटफॉर्म टिकट भी प्राप्त किये जा सकते हैं।

उल्लेखनीय है कि स्टेशन से दूर रहने वाले यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए इसके दायरे को 05 किमी. से बढ़ाकर 20 किमी. भी कर दिया गया है,अर्थात यात्रीगण 20 किमी. की दूरी से भी इस ऐप के माध्यम से अनारक्षित टिकट बुकिंग तथा सीजन टिकट(एमएसटी) जारी व नवीनीकरण कर सकते है ।

रेलवे प्रशासन यात्रियों से आग्रह करता है कि त्वरित घर बैठे आसानी से इस ऐप के माध्यम से अनारक्षित टिकट बुकिंग तथा सीजन टिकट(एमएसटी) जारी व नवीनीकरण कराने की इस सुविधा का अधिकाधिक लाभ उठावें।

यूटीएस मोबाइल ऐप द्वारा सीजन टिकट(एमएसटी) जारी व नवीनीकरण कराने के तरीके-गूगल प्ले स्टोर,एप्पल स्टोर से यूटीएस मोबाइल ऐप डाउनलोड करें तथा रजिस्ट्रेशन हेतु साइन अप करें।लॉगिन आई.डी.मोबाइल नं.रजिस्टर्ड करें तथा मैसेज के द्वारा प्राप्त चार अंकों के पासवर्ड का उपयोग करें।टिकटों के प्रकार का चयन करें। (यात्रा टिकट,सीजन टिकट,प्लेटफार्म टिकट तथा यात्रियों की संख्या)टिकट के भुगतान हेतु आर-वालेट का उपयोग करें।आर-वालेट को डेबिट कार्ड,नेट बैंकिंग,यू.पी.आई.अथवा यू.टी.एस. काउण्टर द्वारा रिचार्ज किया जा सकता है।आर-वालेट के अलावा डेबिट कार्ड,नेट बैंकिंग,यू.पी.आई द्वारा भी भुगतान किया जा सकता है।

अमरकंटक स्थित महामृत्युंजय आश्रम के

महामण्डलेश्वर स्वामी हरिहरानन्द सरस्वती बने दैवी सम्पद् मंडल प्रमुख

■ अनूपपुर. (नव स्वदेश)।

अमरकंटक स्थित महामृत्युंजय आश्रम के महामंडलेश्वर स्वामी हरिहरानन्द जी महाराज को सर्व सम्मति से दैवी सम्पद् मंडल परिवार का प्रमुख बनाया गया है।इस परिवार के प्रमुख आचार्य स्वामी चिदानंद स्वामी महाराज ने उत्तरप्रदेश के मैनपुरी स्थित एकरसानन्द आश्रम में रविवार 21 नवम्बर 2022 को संत परंपरा के तहत आयोजित एक कार्यक्रम में इसकी घोषणा की।

21 नवम्बर , रविवार को उत्तरप्रदेश के मैनपुरी में परम श्रद्धेय पूज्यपाद सद्गुरुदेव श्रीमत् परमहंस परिव्राजकाचार्य श्रोत्रिय ब्रह्मनिष्ठ अनन्त श्री विभूषित श्री स्वामी शारदानन्द सरस्वती जी महाराज को श्रद्धांजलि अर्पित करने एवं अन्तिम दर्शन हेतु आयोजित षोडशी कार्यक्रम में हजारों श्रद्धालुओं ने शामिल हो कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।इस कार्यक्रम में प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव,जगतगुरु परमपूज्य मौलि सरकार,राज्य सभा सांसद अजय प्रताप सिंह,अनूपपुर जिले के वरिष्ठ जनजातीय नेता एवं पूर्व विधायक सुदामा सिंह सिंग्राम,वरिष्ठ भाजपा नेता एवं भारत विकास परिषद के पूर्व अध्यक्ष मनोज द्विवेदी,राहुल पाण्डेय,जन अभियान परिषद के जिला

समन्वयक उमेश पाण्डेय, रामगोपाल द्विवेदी, राधेश्याम उपाध्याय के साथ अन्य लोगों ने शामिल हो कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

उल्लेखनीय है कि 6 नवम्बर 2022 को स्वामी शारदानंद सरस्वती जी ब्रह्मलीन हो गये थे।पूज्य गुरुदेव के समाधि स्थल एवं दैवी सम्पद मण्डल के प्रधान केन्द्र श्री एकरसानन्द आश्रम में मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष द्वादशी को उनके अद्वैत भाव के पुण्य दर्शन तथा श्रद्धांजलि सभा का आयोजन उत्तर प्रदेश मैनपुरी में किया गया।जिसमें उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा, गुजरात, महाराष्ट्र, उड़ीसा, बिहार, झारखंड से हजारों भक्तों, शिष्यों, श्रद्धालुओं ने शामिल होकर कार्यक्रम में हिस्सा लिया।पूजन,श्रद्धांजलि अर्पण,विशाल भण्डारा कार्यक्रम पश्चात् निर्माणी पंचायती अखाड़ा सहित अन्य अखाड़ों के आचार्य महामंडलेश्वर, महामंडलेश्वर, संतों, आचार्यों की विशेष उपस्थिति में मंचीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें दैवी सम्पद् मंडल परिवार के प्रमुख संत स्वामी चिदानंद स्वामी महाराज ने स्वामी सुकदेवा नन्द महाराज,स्वामी धजानंद महाराज एवं स्वामी शारदानंद महाराज के आकस्मिक देहत्याग को दैविय संपत मंडल परिवार के लिये दैविय आपदा का समय बतलाते हुए उपस्थित संतों, शिष्यों, श्रद्धालुओं की ओर से श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे, हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे का सामूहिक पाठ किया।

ग्रामीण जनप्रतिनिधि प्रशिक्षण वर्ग आयोजित करेगी भाजपा :दिलीप पांडे

■ मानपुर. (नव स्वदेश)।

भारतीय जनता पार्टी प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर भाजपा जिला अध्यक्ष दिलीप पांडे के निर्देशानुसार उमरिया जिले की मानपुर एवं बांधवगढ़ विधानसभा क्षेत्र के स्थानीय ग्रामीण जनप्रतिनिधियों का प्रशिक्षण वर्ग आयोजित किया जाएगा। प्रशिक्षण वर्ग में स्थानीय ग्रामीण निकाय चुनाव जीत कर आए सरपंच जनपद सदस्य जिला पंचायत सदस्यों का एक दिवसीय प्रशिक्षण किया जाएगा। प्रशिक्षु जनप्रतिनिधियों को भाजपा की रीति नीति संगठन की कार्य पद्धति व सरकार की योजनाओं से अवगत कराया जाएगा। विषय

वार विषय विशेषज्ञ अपनी अपनी बात मंच के माध्यम से सदन में रखेंगे।

उक्त कार्यक्रम के निमित्त भाजपा जिला अध्यक्ष दिलीप पांडे ने आज नरोजाबाद करकेली उमरिया ग्रामीण मंडल के जनप्रतिनिधियों से संपर्क कर संवाद किया। निश्चित ही इस प्रशिक्षण वर्ग के माध्यम से जनप्रतिनिधियों के अंदर संगठन की कार्य पद्धति का जहां एक ओर विकास होगा वहीं जनप्रतिनिधि के आचार व्यवहार में भी निखार आएगा।

भाजपा जिला अध्यक्ष दिलीप पांडे एवं बांधवगढ़ विधानसभा के विधायक शिवनारायण सिंह ने बांधवगढ़ विधानसभा के अंतर्गत आने वाले सभी ग्रामीण जनप्रतिनिधि सरपंच एवं जनपद सदस्यों से दिनांक 26 नवंबर 2022 को कृष्णा गार्डन उमरिया में 10.00 बजे पहुंचने की अपील की है।

अपर कलेक्टर ने युवाओं के साथ किया पौधारोपण

■ मानपुर. (नव स्वदेश)।

युवाओं की टीम ने अंकुर अभियान के तहत आज नेहरू युवा केंद्र जिला उमरिया जिला कार्यालय में उमरिया अपर कलेक्टर अशोक ओहरी की उपस्थिति में आम का पौधा लगाकर पौधारोपण किया गया। अपर कलेक्टर अशोक ओहरी ने कहा कि पेड़-पौधे हमारे स्वास्थ्य का आधार होते हैं। पौधे पर्यावरण की अशुद्धियों को सोखकर शुद्ध वायु देते हैं। पौधों के कारण पर्यावरण में संतुलन बना रहता है। पर्यावरण संतुलन को बनाए रखने के लिए हमें अधिक से अधिक पेड़-पौधे लगाने चाहिए।

कार्यक्रम के दौरान उमरिया पर कलेक्टर अशोक ओहरी, नेहरू युवा केंद्र लेखापाल देवेंद्र द्विवेदी, सामाजिक कार्यकर्ता अरशद हुसैन,युवा टीम से हिमांशु तिवारी,शिवानी बर्मन, ज्योति विश्वकर्मा, प्रदीप राय, खुशी सेन,राहुल सिंह, नेहा सिंह राठौर, रश्मि मिश्रा,कविता बर्मन, सुनील प्रजापति, रिया गुप्ता,राज सेन,कामोद सिंह उपस्थित रहे।

मांग | चिरमिरी-चंदिया-चिरमिरी ट्रेन यात्रियों के लिए थी वरदान

रेलवे कर रहा अनूपपुर जं.तक परिचालन, विस्तार जरूरी

■ अनूपपुर. (नव स्वदेश)।

सन 2020 में कोरोना क्या आया रेलवे ने ट्रेनों का पूरा शेड्यूल ही बदल डाला।जिसका परिणाम है कि आज तक कई ट्रेनें प्रारंभ नहीं हुईं,वहीं ट्रेनों के स्टॉपेज काफी संख्या में बंद कर दिए गए वह भी फिर से प्रारंभ नहीं किए गए जिससे यात्री काफी परेशान है।उन्हें सड़क मार्ग से काफी राशि खर्च कर प्राइवेट वाहनों,बस से सफर करना पड़ता है जिससे बेवजह यात्रियों को तमाम तरह की परेशानियों का सामना तो करना पड़ रहा है,वहीं आर्थिक रूप से यात्री टूटता चला जा रहा है।लेकिन रेलवे को इससे कोई लेना-देना नहीं।देखा जा रहा था कि चिरमिरी-चंदिया- चिरमिरी 58221/58222 नंबर से ट्रेन संचालित हो रही थी उस ट्रेन को आज दिनांक तक प्रारंभ नहीं किया गया।यह ट्रेन यात्रियों के लिए वरदान थी।यात्रियों को कटनी से कोई ट्रेन पकड़ना होता था तो वह इस ट्रेन से चंदिया तक जाकर बस व टैक्सी से कटनी स्टेशन पहुंच जाता था और अपने आगे की यात्रा करता था।वहीं काफी संख्या में यात्री जो कटनी तक आ जाते थे वह चंदिया स्टेशन पर आकर चंदिया-चिरमिरी ट्रेन पकड़कर अपने गंतव्य पर समय से पहुंच जाते थे।लेकिन रेलवे को यात्रियों की सुविधाओं से कोई लेना-देना नहीं जिसका परिणाम है कि ट्रेन को आज दिनांक तक चंदिया तक संचालित नहीं किया गया।

चिरमिरी से सुबह 9 बजे चलकर यह ट्रेन 11.30 पर अनूपपुर आकर खड़ी हो जाती है।अनूपपुर में लगभग 06.30 घंटे खड़ी रहने के बाद शाम को 18.00 बजे अनूपपुर से

चिरमिरी के लिए प्रस्थान करती है।अगर रेलवे चाह ले तो इस ट्रेन को चंदिया तक भेजकर वापस अनूपपुर तक लाते हुए चिरमिरी अपने निर्धारित समय पर पहुंचा सकता है।लेकिन रेलवे इसका परिचालन अनूपपुर तक ही कर रहा है जिससे रेलवे के राजस्व में भी नुकसान हो रहा है।देखा जाता था कि यह ट्रेन यात्रियों के साथ-साथ विद्यार्थियों के लिए भी लाभप्रद थी।लेकिन रेलवे घाटे में ट्रेन को चला रहा है।जिले की सांसद जिसकी दिल्ली में पकड़ होती है उनका यात्री सुविधा में कोई इंटरेस्ट नजर नहीं आता जिसका परिणाम है कि यात्रियों को सुविधाएं उपलब्ध नहीं हो पा रही।शहडोल संभाग में जेडआरयूसीसी एवं डीआरयूसीसी के मेंबर हैं लेकिन कभी किसी ने रेलवे का ध्यान मुद्दों की बातों पर नहीं दिलाया।जिसका परिणाम आम जनता के सामने है।आवश्यकता है जनप्रतिनिधि जागे,अपने सांसद को जगाए और यात्रियों के लिए वरदान बन चुकी चिरमिरी-चंदिया ट्रेन को फिर से पटरी पर लाने के लिए उन्हें मजबूर कर दे। निश्चित ही आवाज बुलंद होगी तो यात्री सुविधाओं का इजाफा होगा और ट्रेन फिर से पटरी पर चलने लगेगी।

रीवा-चिरमिरी-रीवा ट्रेन प्रतिदिन चलाए

कोरोना काल के पूर्व रीवा से चिरमिरी एवं चिरमिरी से रीवा चलने वाली 11751/11752 ट्रेन प्रतिदिन चलती थी और देखा जाता था कि यह ट्रेन हमेशा यात्रियों से खचाखच भरी होती थी यहां तक की रिजर्वेशन की सभी बोगी हमेशा फुल रहती थी।लेकिन रेलवे ने काफी समय बाद इस ट्रेन का परिचालन अवश्य प्रारंभ किया लेकिन यात्री सुविधाओं को तिलांजलि देते हुए।सप्ताह में 3 दिन चलाया जा रहा है जिसका परिणाम है कि यात्रियों को प्रतिदिन ट्रेन की सुविधा नहीं मिल पा रही।देखा जा रहा है कि तीन दिन भी ट्रेन यात्रियों से खचाखच भरी होती है।उसके बाद भी रेलवे अपने अड़ियल रवैया के कारण केवल तीन दिन ट्रेन का संचालन कर रहा है। इसके लिए भी आवश्यकता है कि शहडोल संसदीय क्षेत्र की सांसद जागे इसके साथ ही जनप्रतिनिधि जागे एवं जेडआरयूसीसी एवं डीआरयूसीसी के मेंबर जागे तभी इस ट्रेन की सुविधा यात्रियों को प्रतिदिन मिल पाएगी।अन्यथा यह ट्रेन सप्ताह में तीन दिन ही चलती रहेगी और यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। जबकि यह ट्रेन भी रेलवे को अच्छा राजस्व देती है उसके बाद भी रेलवे जानबूझकर यात्रियों को सुविधाओं से वंचित कर रहा है।

छात्रावास तो बना दिया, लेकिन अब तक नहीं मिली सुविधाएं

खुले में शौच के लिए जाने मजबूर विद्यार्थी

■ अनूपपुर. (नव स्वदेश)।

जनपद पंचायत पुष्पराजगढ़ अंतर्गत संचालित छात्रावास में शौचालय की व्यवस्था न होने से यहां अध्ययनरत लगभग 50 छात्रों को शौच के लिए खुले में जाने की मजबूरी बनी हुई है।यह आज से नहीं बल्कि बीते 7 वर्षों से ऐसी ही अव्यवस्था के बीच यह छात्रावास संचालित हो रहा है। पुष्पराजगढ़ जनपद मुख्यालय में वर्ष 2015 से संचालित अनुसूचित जाति जूनियर बालक छात्रावास में शौचालय की व्यवस्था नहीं है।यहां रह रहे छात्रों को शौच के लिए ठंडी,गर्मी और बारिश के मौसम में समीप स्थित जंगलों में शौच के लिए जाना पड़ता है।

बताया जाता है शौचालय तो बना है किन्तु उपयोग के लिए नहीं है।शौचालय की पाइप लाइन चोक है जिससे इसका इस्तेमाल नहीं कर सकते। मजबूरन छात्रावास के बच्चों को बाहर जाना पड़ता है।

बताया गया कि छात्रावास में लगभग 50 छात्र अध्ययनरत है और सोने के लिये महज 25 बेड है।छात्रावास में शौचालय की व्यवस्था को लेकर बीते कई वर्षों से विभागीय अधिकारियों से पत्राचार किया जा रहा है।लेकिन अब तक कार्रवाई नहीं हो पाई है।एक और जिले को ओडीएफ घोषित करने के साथ ही स्वच्छता के क्षेत्र में पुरस्कृत किया गया है।वहीं आधा सैकड़ा छात्रों को शौच के लिए शौचालय की व्यवस्था अब तक नहीं हो पाई है।विभाग इस पर बजट न मिलने की बात कहकर अपनी असमर्थता जता रहा है।

इनका कहना है

छात्रावास में शौचालय का अभाव है।अधीक्षक द्वारा आला अधिकारियों को सूचना दी गई है,पर बजट के अभाव में आज तक नहीं बन पाया है।

मोहन सिंह मरावी
बीईओ,पुष्पराजगढ़

दो पार्षदों को पार्षद पद से अयोग्य घोषित करने नपा.सीएमओ अनूपपुर ने कलेक्टर को लिखा पत्र

अनूपपुर (ब्यूरो) मुख्य नगरपालिका अधिकारी ज्योति सिंह ने कलेक्टर अनूपपुर को पत्र लिखकर नगर पालिका परिषद के निर्वाचित होकर आए दो पार्षदों को अयोग्य घोषित करने के लिए पत्र लिखा है।उन्होंने वार्ड क्रमांक 11 एवं वार्ड क्रमांक 09 के पार्षद के संबंध में लेख किया है कि प्रेसीडेन्ट इन काउन्सिल की बैठक में अन्य व्यक्ति की ओर से विधिक कार्यवाही में परिषद के विरुद्ध कार्य करने एवं अशोभनीय आचरण के कारण म.प्र. नगर पालिका अधिनियम 1961 की धारा 41 (02) के तहत् पार्षद पद से अयोग्य घोषित करें। उन्होंने बताया कि दिनांक 22/11/2022 को प्रेसीडेन्ट इन काउन्सिल की बैठक नियत थी।काउन्सिल की बैठक में पूर्व से एजेण्डा नियत था,जिसकी सूचना प्रेसीडेन्ट इन काउन्सिल के सदस्यों को दी गई थी।बैठक प्रारम्भ होते ही पार्षद वार्ड क्रमांक 11 एवं पार्षद वार्ड क्रमांक 09 द्वारा अतिरिक्त एजेण्डा सहायक लेखाधिकारी को निलंबित करने एवं कर्मचारियों के प्रभार फेरबदल के संबंध में तथा राजस्व पर्यवेक्षक सहायक राजस्व निरीक्षक जिन्हें अनाधिकृत व्यक्ति राजपति साहू से राजस्व का कार्य कराने, प्रधानमंत्री आवास योजना में हितग्राहियों से राशि लेने, अवैध भवन निर्माण में बढ़ावा ,समायोजन की राशि ज्यादा लेकर कम राशि की रसीद काटने, राजनैतिक गतिविधियों में संलग्न रहने तथा भवन निर्माण में अवैध रूप से मनमाने हेतु राशि लेने के आरोप में निलंबित किया गया था,का पक्ष लेकर गाली गलौज करने लगे तथा टेबल ठोकने लगे।मैं महिला कर्मचारी हूं,उन दोनों पार्षदों ने अभद्रता पूर्वक अशोभनीय आचरण प्रदर्शित किया है।

मेरे द्वारा स्पष्ट बताया गया कि, कर्मचारियों को प्रभार देना मुख्य नगर पालिका अधिकारी का दायित्व होता है।राजकुमार गुप्ता जो कि सहायक लेखा अधिकारी है।म.प्र.नगर पालिका लेखा एवं वित्त सेवा के कर्मचारी है।जिनके विरुद्ध कार्यवाही करना राज्य शासन में निहत है सर्व प्रथम कारण बताओ सूचना जारी की जायेगी एवं आरोप सिद्ध होने पर कार्यवाही हेतु शासन को प्रस्तावित किया जायेगा।इसी प्रकार हेमन्त गौतम सफाई प्रभारी (दै.वे.) के विरुद्ध बिना आरोप के सेवा समाप्त हेतु लड़ाई झगड़ा करने लगे,जिससे मुझे बैठक बीच में ही छोड़कर उठना पड़ा।अतःआपसे अनुरोध है कि, कार्यालयीन कार्य में बाधा डालने एवं परिषद विरुद्ध कार्य करने तथा अशोभनीय आचरण के कारण पार्षद वार्ड क्रमांक 11 एवं पार्षद वार्ड क्रमांक 09 के विरुद्ध म.प्र. नगर पालिका अधिनियम 1961 की धारा 41 (02) के तहत् पार्षद पद से अयोग्य करने की महती कृपा करें तथा वैधानिक कार्यवाही हेतु सम्प्रेषित है।

उन्होंने इसकी प्रतिलिपि आयुक्तमहोदय, नगरीय प्रशासन एवं विकास भोपाल,आर.के. कार्तिकेय, उप सचिव,नगरीय आवास एवं विकास मंत्रालय भोपाल,पुलिस अधीक्षक जिला अनूपपुर (म.प्र.),थाना प्रभारी सिटी कोतवाली अनूपपुर,अध्यक्ष महोदय नगर पालिका परिषद अनूपपुर को भी प्रेषित किया है।

तापमान में लगातार गिरावट विद्यालयों का बदले समय अलाव की करें व्यवस्था

अनूपपुर (ब्यूरो) जिले में तापमान में लगातार गिरावट के कारण सर्दी बढ़ती जा रही है।ठिठुरन भरी ठंड से सभी परेशान है। लेकिन शिक्षा विभाग द्वारा संचालित विद्यालय अभी भी सुबह संचालित हो रहे है जिसका समय बदला जाना अति आवश्यक है।हाल ही में कलेक्टर टीम ने विद्यालयों का समय परिवर्तित किया है।अनूपपुर कलेक्टर से भी अपेक्षा है कि शिक्षा विभाग को निर्देशित करें कि जिले में सुबह की पाली में संचालित शासकीय,अशासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं की परेशानी को देखते हुए विद्यालयों के समय में परिवर्तन किया जाए।इसके साथ ही मुख्य नगरपालिका अधिकारी एवं नगर पालिका अध्यक्ष से अपेक्षा है कि ठिठुरन भरी ठंड को देखते हुए पूर्व वर्षों की भांति सभी प्रमुख स्थानों पर अलाव की पर्याप्त व्यवस्था की जाए। जिससे आने जाने वाले राहगीर ,रिक्शा चालक, ऑटो चालक, वाहन चालक आदि को ठंड से राहत मिल सके।देखा जा रहा है कि दिन-प्रतिदिन तापमान में तेजी से गिरावट आ रही है और ठंड तेजी से बढ़ती जा रही है जिससे हर किसी को परेशानी हो रही है।इसके लिए अपेक्षा है कि पूर्व की भांति प्रमुख स्थानों पर अलाव की पर्याप्त व्यवस्था की जाए जिससे ठिठुरन भरी ठंड से लोगों को राहत मिल सके।

प्रलेसं.के राज्य स्तरीय सम्मेलन की सफलता के लिए किया आभार व्यक्त

अनूपपुर (ब्यूरो) प्रगतिशील लेखक संघ के राज्य स्तरीय सम्मेलन की आयोजन समिति के महासचिव विजेंद्र सोनी एडवोकेट ने अनूपपुर में 19-20 नवंबर को आयोजित सम्मेलन की सफलता के लिए सभी साथियों का आभार व्यक्त किया है।साथ ही उन्होंने सम्मेलन में प्रत्यक्ष,अप्रत्यक्ष सहयोग करने वाले सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा है कि प्रलेसं.के राज्य सम्मेलन की सफलता अकेले किसी व्यक्ति की सफलता नहीं है।

हमारी पूरी टीम ने पूरे मनोयोग से अपने इकाई के अध्यक्ष गिरीश पटेल जी के नेतृत्व में काम किया है।उनके जैसा धैर्यवान व्यक्तित्व के कारण ही राज्य सम्मेलन में इकाई की पूरी टीम मनोयोग से काम में लगी रही।जिसका परिणाम सफलता की तरफ ले जाने में कामयाब रहा है।

उन्होंने कहा कि कुछ प्रतिनिधियों को तकलीफें भी हुई है,उसके लिए पूरी आयोजन समिति क्षमा प्रार्थी है।

जनसुनवाई में आए 31 आवेदनों की एसडीएम जैतहरी विजय डेहरिया ने की सुनवाई दिए निर्देश

अनूपपुर (ब्यूरो) आम आदमी की समस्याओं के निराकरण के लिए आयोजित की जाने वाली साप्ताहिक जनसुनवाई कार्यक्रम के तहत कलेक्ट्रेट सभागार में एसडीएम जैतहरी विजय डेहरिया के नेतृत्व में जनसुनवाई में आए लोगों की समस्याओं को सुना गया।जनसुनवाई कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के जिला प्रमुख अधिकारी उपस्थित थे।जनसुनवाई में जिले के विभिन्न स्थानों से अपनी समस्याएं लेकर आए 31 लोगों ने आवेदन-पत्र प्रस्तुत किए,आवेदनों को दर्ज कर संबंधित विभागों को आवेदनों के निराकृत करने हेतु प्रेषित किया गया है।

जनसुनवाई में तहसील अनूपपुर के ग्राम चिल्हारी निवासी रामनाथ कोल ने ग्राम पंचायत चिल्हारी में पुलिया निर्माण कार्य में किए गए मजदूरी कार्य का भुगतान किए जाने, ग्राम पंचायत ताराडांड के ग्राम करौंदीला निवासी मनोज साहू ने ताराडांड में निर्मित नहर का सम्मत कार्य व नहर में आम जन के आवागमन हेतु रास्ते की सफाई कराने, ग्राम हिन्दालको बस्ती अमरकंटक वार्ड नं. 03 के दिव्यांग रामलाल पनिका ने बैटरी से चलने वाली मोटराइज्ड ट्राई साइकिल प्रदाय करने,तहसील अनूपपुर के ग्राम पिपरिया निवासी सूरज पटेल ने प्रधानमंत्री फसल बीमा दावा क्लेम राशि का भुगतान कराने के संबंध में आवेदन दिए।

छात्रावास तो बना दिया लेकिन अब तक नहीं मिली सुविधाएं,खुले में शौच के लिए जाने मजबूर विद्यार्थी

अनूपपुर (ब्यूरो)जनपद पंचायत पुष्पराजगढ़ अंतर्गत संचालित छात्रावास में शौचालय की व्यवस्था न होने से यहां अध्ययनरत लगभग 50 छात्रों को शौच के लिए खुले में जाने की मजबूरी बनी हुई है।यह आज से नहीं बल्कि बीते 7 वर्षों से ऐसी ही अव्यवस्था के बीच यह छात्रावास संचालित हो रहा है।

पुष्पराजगढ़ जनपद मुख्यालय में वर्ष 2015 से संचालित अनुसूचित जाति जूनियर बालक छात्रावास में शौचालय की व्यवस्था नहीं है।यहां रह रहे छात्रों को शौच के लिए ठंडी,गर्मी और बारिश के मौसम में समीप स्थित जंगलों में शौच के लिए जाना पड़ता है।बताया जाता है शौचालय तो बना है किन्तु उपयोग के लिए नहीं है।शौचालय की पाइप लाइन चोक है जिससे इसका इस्तेमाल नहीं कर सकते। मजबूरन छात्रावास के बच्चों को बाहर जाना पड़ता है। बताया गया कि छात्रावास में लगभग 50 छात्र अध्ययनरत है और सोने के लिये महज 25 बेड है।छात्रावास में शौचालय की व्यवस्था को लेकर बीते कई वर्षों से विभागीय अधिकारियों से पत्राचार किया जा रहा है।लेकिन अब तक कार्यवाई नहीं हो पाई है।एक ओर जिले को ओडीएफ घोषित करने के साथ ही स्वच्छता के क्षेत्र में पुरस्कृत किया गया है।वहीं आधा सैकड़ा छात्रों को शौच के लिए शौचालय की व्यवस्था अब तक नहीं हो पाई है।विभाग इस पर बजट न मिलने की बात कहकर अपनी असमर्थता जता रहा है।

इनका कहना है-

छात्रावास में शौचालय का अभाव है।अधीक्षक द्वारा आला अधिकारियों को सूचना दी गई है,पर बजट के अभाव में आज तक नहीं बन पाया है।

भोग सिंह मरावी

बीईओ,पुष्पराजगढ़

शोध पद्धति विषय पर शासकीय तुलसी महावि.में दो दिवसीय कार्यशाला सम्पन्न

अनूपपुर (ब्यूरो) जिले के अग्रणी शासकीय तुलसी महाविद्यालय में शोध पद्धति विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन गणित विभाग द्वारा प्राचार्य डॉ. जे.के.सन्त की अध्यक्षता में 21 नवम्बर को प्रारम्भ हुआ।

कार्यक्रम में प्रदेश के ख्यातिलब्ध विद्वान अपने व्याख्यान से प्रशिक्षणार्थियों को लाभान्वित कर रहे है।प्रथम दिवस के मुख्य वक्ता शासकीय आदर्श विज्ञान महाविद्यालय रीवा के भूगर्भ विज्ञान विभाग के प्रोफेसर रवींद्र नाथ तिवारी ने शोध पद्धति के सैद्धांतिक पक्षों पर विचार प्रस्तुत किया। विशिष्ट वक्ता प्रो.नेतराम कौरव,प्राध्यापक इलेक्ट्रॉनिक्स , शासकीय होलकर विज्ञान महाविद्यालय इंदौर ने अनुसंधान के विभिन्न पक्षों पर प्रकाश डाला। द्वितीय दिवस भी विषय विशेषज्ञों द्वारा शोध पद्धति के संबंध में वक्तव्य प्रस्तुत किए गए।कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्राचार्य डॉ. जे.के.सन्त ने कहा कि अनुसंधान विषय पर इस प्रकार के कार्यक्रम अत्यंत महत्वपूर्ण और आवश्यक है। इससे युवा छात्रों का शोध के प्रति ज्ञान बढ़ेगा। कार्यशाला का संचालन संयोजक डॉ.गीतेश्वरी पाण्डेय सहायक प्राध्यापक गणित द्वारा किया गया।

अपर कलेक्टर ने युवाओं के साथ किया पौधारोपण

उमरिया।युवाओं की टीम ने अंकुर अभियान के तहत आज नेहरूयुवा केंद्र जिला उमरिया जिला कार्यालय में उमरिया अपर कलेक्टर अशोक ओहरी की उपस्थिति में आम का पौधा लगाकर पौधारोपण किया गया। अपर कलेक्टर अशोक ओहरी ने कहा कि पेड़-पौधे हमारे स्वास्थ्य का आधार होते है। पौधे पर्यावरण की अशुद्धियों को सोखकर शुद्ध वायु देते है। पौधों के कारण पर्यावरण में संतुलन बना रहता है। पर्यावरण संतुलन को बनाए रखने के लिए हमें अधिक से अधिक पेड़-पौधे लगाने चाहिए।

कार्यक्रम के दौरान उमरिया पर कलेक्टर अशोक ओहरी, नेहरूयुवा केंद्र लेखापाल देवेंद्र द्विवेदी, सामाजिक कार्यकर्ता अर्शद हुसैन,युवा टीम से हिमांशु तिवारी,शिवानी बर्मन, ज्योति विश्वकर्मा, प्रदीप राय, खुशी सेन,राहुल सिंह, नेहा सिंह राठौर, रश्मि मिश्रा,कविता बर्मन, सुनीता प्रजापति, रिया गुप्ता,राज सेन,कामोद सिंह उपस्थित रहे।

अरविंद बियानी

चिरमिरी-चंदिया-चिरमिरी ट्रेन यात्रियों के लिए थी वरदान रेलवे कर रहा अनूपपुर जं.तक परिचालन,विस्तार जरूरी

अनूपपुर (ब्यूरो) सन 2020 में कोरोना क्या आया रेलवे ने ट्रेनों का पूरा शेड्यूल ही बदल डाला।जिसका परिणाम है कि आज तक कई ट्रेनें प्रारंभ नहीं हुई,वहीं ट्रेनों के स्टॉपेज काफी संख्या में बंद कर दिए गए वह भी फिर से प्रारंभ नहीं किए गए जिससे यात्री काफी परेशान है।उन्हें सड़क मार्ग से काफी राशि खर्च कर प्राइवेट वाहनों,बस से सफर करना पड़ता है जिससे बेवजह यात्रियों को तमाम तरह की परेशानियों का सामना तो करना पड़ रहा है,वहीं आर्थिक रूप से यात्री टूटता चला जा रहा है।लेकिन रेलवे को इससे कोई लेना-देना नहीं।देखा जा रहा था कि चिरमिरी-चंदिया- चिरमिरी 58221/58222 नंबर से ट्रेन संचालित हो रही थी उस ट्रेन को आज दिनांक तक प्रारंभ नहीं किया गया।यह ट्रेन यात्रियों के लिए वरदान थी।यात्रियों को कटनी से कोई ट्रेन पकड़ना होता था तो वह इस ट्रेन से चंदिया तक जाकर बस व टैक्सी से कटनी स्टेशन पहुंच जाता था और अपने आगे की यात्रा करता था।वहीं काफी संख्या में यात्री जो कटनी तक आ जाते थे वह चंदिया स्टेशन पर आकर चंदिया-चिरमिरी ट्रेन पकड़कर अपने गंतव्य पर समय से पहुंच जाते थे।लेकिन रेलवे को यात्रियों की सुविधाओं से कोई लेना-देना नहीं जिसका परिणाम है कि ट्रेन को आज दिनांक तक चंदिया तक संचालित नहीं किया गया। बल्कि उसी ट्रेन को स्पेशल बनाकर स्पेशल नंबर 08269/08270 चिरमिरी-अनूपपुर-चिरमिरी के मध्य चलाया जा रहा है और इस ट्रेन के गिनती के स्टॉपेज चिरमिरी से अनूपपुर के मध्य है।छोटे-छोटे स्टेशनों पर ट्रेन नहीं रूकती यहां तक कि मनेंद्रगढ़ जैसे बड़े स्टेशन पर भी ट्रेन का स्टॉपेज नहीं दिया गया।चिरमिरी से सुबह 9 बजे चलकर यह ट्रेन 11.30 पर अनूपपुर आकर खड़ी हो जाती है।अनूपपुर में लगभग 06.30 घंटे खड़ी रहने के बाद शाम को 18.00 बजे अनूपपुर से चिरमिरी के लिए प्रस्थान करती है।अगर रेलवे चाह ले तो इस ट्रेन को चंदिया तक भेजकर वापस अनूपपुर तक लाते हुए चिरमिरी अपने निर्धारित समय पर पहुंचा सकता है।लेकिन रेलवे इसका परिचालन अनूपपुर तक ही कर रहा है जिससे रेलवे के राजस्व में भी नुकसान हो रहा है।देखा जाता था कि यह ट्रेन यात्रियों के साथ-साथ विद्यार्थियों के लिए भी लाभप्रद थी।लेकिन रेलवे घाटे में ट्रेन को चला रहा है।जिले की सांसद जिसकी दिल्ली में पकड़ होती है उनका यात्री सुविधा में कोई इंटरेस्ट नजर नहीं आता जिसका परिणाम है कि यात्रियों को सुविधाएं उपलब्ध नहीं हो पा रही।शहडोल संभाग में जेडआरयूसीसी एवं डीआरयूसीसी के मेंबर है लेकिन कभी किसी ने रेलवे का ध्यान मुद्दे की बातों पर नहीं दिलाया।जिसका परिणाम आम जनता के सामने है।आवश्यकता है जनप्रतिनिधि जागे,अपने सांसद को जगाए और यात्रियों के लिए वरदान बन चुकी चिरमिरी-चंदिया ट्रेन को फिर से पटरी पर लाने के लिए उन्हें मजबूर कर दें। निश्चित ही आवाज बुलंद होगी तो यात्री सुविधाओं का इजाफा होगा और ट्रेन फिर से पटरी पर चलने लगेगी।

रीवा-चिरमिरी-रीवा ट्रेन प्रतिदिन चलाएं

कोरोना काल के पूर्व रीवा से चिरमिरी एवं चिरमिरी से रीवा चलने वाली 11751/11752 ट्रेन प्रतिदिन चलती थी और देखा जाता था कि यह ट्रेन हमेशा यात्रियों से खचाखच भरी होती थी यहां तक की रिजर्वेशन की सभी बोगी हमेशा फुल रहती थी।लेकिन रेलवे ने काफी समय बाद इस ट्रेन का परिचालन अवश्य प्रारंभ किया लेकिन यात्री सुविधाओं को तिलांजलि देते हुए सप्ताह में 3 दिन चलाया जा रहा है जिसका परिणाम है कि यात्रियों को प्रतिदिन ट्रेन की सुविधा नहीं मिल पा रही।देखा जा रहा है कि तीन दिन भी ट्रेन यात्रियों से खचाखच भरी होती है।उसके बाद भी रेलवे अपने अड़ियल रवैया के कारण केवल तीन दिन ट्रेन का संचालन कर रहा है। इसके लिए भी आवश्यकता है कि शहडोल संसदीय क्षेत्र की सांसद जागे इसके साथ ही जनप्रतिनिधि जागे एवं जेडआरयूसीसी एवं डीआरयूसीसी के मेंबर जागे तभी इस ट्रेन की सुविधा यात्रियों को प्रतिदिन मिल पाएगी।अन्यथा यह ट्रेन सप्ताह में तीन दिन ही चलती रहेगी और यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। जबकि यह ट्रेन भी रेलवे को अच्छा राजस्व देती है उसके बाद भी रेलवे जानबूझकर यात्रियों को सुविधाओं से वंचित कर रहा है।

अमरकंटक स्थित महामृत्युंजय आश्रम के महामण्डलेश्वर स्वामी हरिहरानन्द सरस्वती बने दैवी सम्पद् मंडल प्रमुख

अनूपपुर (ब्यूरो) अमरकंटक स्थित महामृत्युंजय आश्रम के महामंडलेश्वर स्वामी हरिहरानन्द जी महाराज को सर्व सम्मति से दैवी सम्पद् मंडल परिवार का प्रमुख बनाया गया है।इस परिवार के प्रमुख आचार्य स्वामी चिदानंद स्वामी महाराज ने उत्तरप्रदेश के मैनपुरी स्थित एकरसानन्द आश्रम में रविवार 21 नवम्बर 2022 को संत परंपरा के तहत आयोजित एक कार्यक्रम में इसकी घोषणा की।

21 नवम्बर , रविवार को उत्तरप्रदेश के मैनपुरी में परम अद्धेय पूज्यपाद सद्गुरुदेव श्रीमत् परमहंस परिव्राजकाचार्य श्रोत्रिय ब्रह्मनिष्ठ अनन्त श्री विभूषित श्री स्वामी शारदानन्द सरस्वती जी महाराज को श्रद्धांजलि अर्पित करने एवं अन्तिम दर्शन हेतु आयोजित षोडशी कार्यक्रम में हजारों श्रद्धालुओं ने शामिल हो कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।इस कार्यक्रम में प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव,जगतगुरु परमपूज्य श्रीति सरकार,राज्य सभा सांसद अजय प्रताप सिंह,अनूपपुर जिले के वरिष्ठ जनजातीय नेता एवं पूर्व विधायक सुदामा सिंह सिग्राम,वरिष्ठ भाजपा नेता एवं भारत विकास परिषद के पूर्व अध्यक्ष मनोज द्विवेदी,राहुल पाण्डेय,जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक उमेश पाण्डेय, रामगोपाल द्विवेदी, राधेश्याम उपाध्याय के साथ अन्य लोगों ने शामिल हो कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

उल्लेखनीय है कि 6 नवम्बर 2022 को स्वामी शारदानंद सरस्वती जी ब्रह्मलीन हो गये थे।पूज्य गुरुदेव के समाधि स्थल एवं दैवी सम्पद मण्डल के प्रधान केन्द्र श्री एकरसानन्द आश्रम में मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष द्वादशी को उनके अद्वैत भाव के पुण्य दर्शन तथा श्रद्धांजलि सभा का आयोजन उत्तर प्रदेश मैनपुरी में किया गया।जिसमें उत्तरप्रदेश,मध्यप्रदेश,छत्तीसगढ़,महाराष्ट्र,दिल्ली,हरियाणा, गुजरात,महाराष्ट्र,उड़ीसा,बिहार,झारखंड से हजारों भक्तों , शिष्यों,श्रद्धालुओं ने शामिल होकर कार्यक्रम में हिस्सा लिया।पूजन,श्रद्धांजलि अर्पण,विशाल भण्डारा कार्यक्रम पश्चात् निर्वाणी पंचायती अखाड़ा सहित अन्य अखाड़ों के आचार्य महामंडलेश्वर,महामंडलेश्वर,संतों,आचार्यों की विशेष उपस्थिति में संतीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

जिसमें दैवी सम्पद् मंडल परिवार के प्रमुख संत स्वामी चिदानंद स्वामी महाराज ने स्वामी सुकदेवा नन्द महाराज,स्वामी भजनानंद महाराज एवं स्वामी शारदानंद महाराज के आकस्मिक देहत्याग को दैविय संपत मंडल परिवार के लिये दैविय आपदा का समय बतलाते हुए उपस्थित संतों, शिष्यों, श्रद्धालुओं की ओर से श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए हरे राम हरे राम राम राम हरे हरे, हरे कृष्ण हरे कृष्ण कृष्ण कृष्ण हरे हरे का सामूहिक पाठ किया।

उन्होंने निर्वाणी पंचायती अखाड़ा सहित अन्य अखाड़ों के संतों एवं बहुत से राज्यों से आए श्रद्धालुओं,शिष्यों,विभिन्न आश्रमों से आए हजारों लोगों की उपस्थिति में महामंडलेश्वर स्वामी हरिहरानन्द सरस्वती जी महाराज को सर्व सम्मति से दैवी सम्पद् मंडल परिवार का प्रमुख आचार्य बनाए जाने की घोषणा की।स्वामी हरिहरानन्द सरस्वती महाराज को दैवी सम्पद् मंडल परिवार का प्रमुख आचार्य बनाए जाने पर उपस्थित हजारों शिष्यों, श्रद्धालुओं ने करतल ध्वनि से शुभकामनाएँ प्रदान की।

यूटीएस ऑन मोबाइल ऐप करें उपयोग,अनारक्षित, प्लेटफॉर्म टिकट,एमएसटी जारी व नवीनीकरण करें

अनूपपुर (ब्यूरो)रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों को टिकट काउण्टरों में लगने वाली कतारों से निजात दिलाने,शीघ्र टिकट उपलब्ध कराने तथा कैशलेस प्रणाली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से घर बैठे अनारक्षित टिकट बुकिंग,सीजन टिकट(एमएसटी) जारी व नवीनीकरण कराने हेतु यूटीएस मोबाइल ऐप की सुविधा प्रदान की गई है।यात्री अपने मोबाइल पर इस ऐप को डाउनलोड करके घर बैठे आसानी के साथ त्वरित अनारक्षित टिकट बुकिंग तथा सीजन टिकट(एमएसटी) जारी व नवीनीकरण कर सकते है।इस मोबाइल ऐप के माध्यम से प्लेटफॉर्म टिकट भी प्राप्त किये जा सकते है।

उल्लेखनीय है कि स्टेशन से दूर रहने वाले यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए इसके दायरे को 05 किमी. से बढ़ाकर 20 किमी. भी कर दिया गया है,अर्थात वर्तमान 20 किमी. की दूरी से भी इस ऐप के माध्यम से अनारक्षित टिकट बुकिंग तथा सीजन टिकट(एमएसटी) जारी व नवीनीकरण कर सकते है ।

रेलवे प्रशासन यात्रियों से आग्रह करता है कि त्वरित घर बैठे आसानी से इस ऐप के माध्यम से अनारक्षित टिकट बुकिंग तथा सीजन टिकट(एमएसटी) जारी व नवीनीकरण कराने की इस सुविधा का अधिकाधिक लाभ उठायें।

यूटीएस मोबाइल ऐप द्वारा सीजन टिकट(एमएसटी) जारी व नवीनीकरण कराने के लिये-गूगल प्ले स्टोर,एप्पल स्टोर से यूटीएस मोबाइल ऐप डाउनलोड करें तथा रजिस्ट्रेशन हेतु साइन अप करें।लॉगिन आई.डी.मोबाइल नं.रजिस्टर्ड करें तथा मैसेज के द्वारा प्राप्त चार अंकों के पासवर्ड का उपयोग करें।टिकटों के प्रकार का चयन करें।

(यात्रा टिकट,सीजन टिकट,प्लेटफार्म टिकट तथा यात्रियों की संख्या)टिकट के भुगतान हेतु आर-वालेट का उपयोग करें।आर-वालेट को डेबिट कार्ड,नेट बैंकिंग,यू.पी.आई.अथवा यू.टी.एस. काउण्टर द्वारा रिचार्ज किया जा सकता है।

आर-वालेट के अलावा डेबिट कार्ड,नेट बैंकिंग,यू.पी.आई द्वारा भी भुगतान किया जा सकता है।

बाल अधिकार दिवस पर कोशिश सेवा समिति द्वारा आयोजित की गई विद्यालयीन बच्चों की विभिन्न-प्रतियोगिताएं एवं बाल यौन शोषण पर आधारित वीडियो कोमल का प्रदर्शन

संतोष चौरसिया

जमुना कोतमा अंतर्राष्ट्रीय बाल अधिकार दिवस के उपलक्ष्य पर कोशिश सेवा समिति कोतमा कालरी जिला अनूपपुर द्वारा अन्य संगठनों विभागों के सहयोग से क्षेत्र के विद्यालयों के बच्चों का खेलकूद एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन के साथ बाल यौन शोषण पर आधारित वीडियो -कोमल- का प्रदर्शन वर्कर्स क्लब, जमुना कॉलरी में किया गया।जिसमें मुख्य अतिथि नगर पालिका परिषद पसान अध्यक्ष मा.राम अवध सिंह ,कार्यक्रम अध्यक्ष जितेंद्र रजक पूर्व सदस्य बाल कल्याण समिति अनूपपुर, विशिष्ट अतिथि विधायक प्रतिनिधि मा.उदय सिंह , परियोजना अधिकारी कोतमा महिला बाल विकास विभाग, मा.पार्षद गण अर्चना भरत मुंडेरिया जी, गीता अजय यादव जी, सविता ब्रजेश सिंह जी, रोशन प्रजापति महामंत्री भाजपा मंडल पसान एवं अखिल भारतीय मानवाधिकार संगठन महिला जिला अध्यक्ष मीनू तिवारी जी, महामंत्री रीता सिंह , बीना जी,समिति से हसन अंसारी दिनेश केवट सुनील राजेश बाथम प्रीति रजक , स्वाति कुशवाहा , सुमन जायसवाल जी, राहुल सिंह जी,अभिभावकों, पालकों एवं शिक्षक शिक्षिकाओं की गरिमामय उपस्थिति में संपन्न हुआ।